

**मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से  
पी०ई०टी०-2026 की तैयारियों की समीक्षा की**

**परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के साथ  
अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए  
सभी आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं : मुख्यमंत्री**

**परीक्षा के सम्बन्ध में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक  
सूचनाओं और अफवाहों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा ऐसे मामलों  
में नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने के निर्देश**

**परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती  
और सम्बन्धित कार्मिकों का समुचित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए**

**रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, प्रमुख मार्गों, होटलों, धर्मशालाओं और  
रैन बसेरों पर अभ्यर्थियों, विशेषकर महिला अभ्यर्थियों की सुविधा  
और सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं**

**अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त  
बसों और ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था की जाए**

**सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करें, जिससे पी०ई०टी०-2026  
का आयोजन सुरक्षित, शान्तिपूर्ण, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो**

**लखनऊ : 24 अक्टूबर, 2026**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यू०पी०एस०एस०एस०सी०) द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पी०ई०टी०)-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के साथ अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं। महिला अभ्यर्थियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने पुलिस तंत्र को सक्रिय रखते हुए परीक्षा के सम्बन्ध में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि पी०ई०टी०-2026 का आयोजन आगामी 25 अक्टूबर, 30 अक्टूबर और 01 नवम्बर को कुल 06 पालियों में किया जाएगा। परीक्षा के लिए प्रदेश के 60 जनपदों में 1,372 केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जहां कुल 35,41,297 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

प्रत्येक पाली में 5,90,217 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई है। आगरा, अलीगढ़, झांसी, गोरखपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद और प्रयागराज सहित 09 जनपदों में प्रत्येक पाली में 15 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए आयोग मुख्यालय में कमाण्ड कण्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से सभी परीक्षा केन्द्रों की कैमरों के जरिए लाइव निगरानी की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने जिलाधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती और सम्बन्धित कार्मिकों का समुचित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, प्रमुख मार्गों, होटलों, धर्मशालाओं और रैन बसेरों पर अभ्यर्थियों, विशेषकर महिला अभ्यर्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं। भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने में असुविधा न हो। अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों और ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था की जाए।

बैठक में बताया गया कि परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोग स्तर पर डी0जी0 रेलवे और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की जा चुकी है। परीक्षा की तिथियों में सभी केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने परीक्षा सामग्री और गोपनीय अभिलेखों की सुरक्षा के सम्बन्ध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों के आसपास, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और टैम्पो स्टैण्ड पर स्वच्छता के लिए विशेष टीमें तैनात की जाएं। अभ्यर्थियों को खान-पान की वस्तुएं निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध हों और उनसे किसी प्रकार की अधिक वसूली न की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सर्वाधिक परीक्षार्थियों वाले जनपदों के जिलाधिकारियों से परीक्षा की तैयारियों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करें, जिससे पी0ई0टी0-2026 का आयोजन सुरक्षित, शान्तिपूर्ण, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो।